Title: Regarding need to provide special package for revival fo the domestic industries in the country

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस देश की आजादी की लड़ाई 'स्वदेशी' के नाम पर लड़ी गई और 'स्वदेशी' पर बड़े-बड़ आन्दोलन हुए, लेकिन दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद आज 'स्वदेशी' के नाम पर राजनीति करने वाले लोगों द्वारा पूरी तरह से विदशी कंपनियों को न्योता देकर इस देश का विदशीकरण किया जा रहा है। इसके कारण इस देश में जो लाखों कल-कारखाने थे, जो एन.टी.सी. की मिल थीं, वे पूरी तरह बन्द हो चुकी हैं। कानपुर महानगर जो एशिया का मानचेस्टर कहा जाता था, जहां बड़े पैमाने पर मिल थीं, जिनम पूरे देश के लाखों मजदरों को रोजगार मिलता था, आज वे मिल पूरी तरह से बन्द हो गई हैं। जे.के. कॉटन मिल के प्रबन्धकों ने दिनांक 15 मई, 1989 को मिल में तालाबन्दी घोषित करने के बाद आज तक वहां के मजदरों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम योजना के तहत जो सुविधाएं दी जानी चाहिए, वे नहीं दी हैं। इसके कारण वहां मजदर बड़े पैमाने पर आन्दोलन कर रहे हैं और पूरे देश के मजदर कानपुर में इकट्ठे हो रहे हैं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि स्वदशी को बढ़ावा देने, मजदूर और कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखने, स्वदशी उद्योगों को मॉडीफाइड करने और कुटीर उद्योगों को बनाए रखने के लिए सरकार क्या कोई स्पेशल पैकज देकर कानपुर की मिलों को चलाने पर विचार करेगी ?